Toppersnotes®
Unleash the topper in you

BPSC

TRE 4.0

बिहार लोक सवो आयोग (BPSC)

भाग - 1

(भाषा)

सामान्य हिन्दी एवं अंग्रेजी

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	वर्ण विचार	1
2	संज्ञा	5
3	सर्वनाम	7
4	वचन	8
5	क्रिया	9
6	विशेषण	16
7	वाक्य रचना	17
8	विराम चिन्ह	21
9	संधि	24
10	समास	40
11	रस	46
12	छंद	48
13	अलंकार	56
14	उपसर्ग	60
15	प्रत्यय	69
16	तत्सम – तद्भव शब्द	77
17	विलोम शब्द	79
18	पर्यायवाची	85
19	अपठित गद्यांश	87
20	वर्तनी शुद्धि	95
21	वाक्य के लिए एक शब्द	108
22	मुहावरे	114
23	लोकोक्तियाँ	120

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	देशज शब्द	123
25	अव्यय– अविकारी शब्द	127
26	हिंदी के प्रसिद्ध कवि एवं उनकी रचनाएँ	130
27	Article (लेख)	133
28	Verb (क्रिया)	137
29	One Word Substitution (एक शब्द प्रतिस्थापन)	144
30	Comprehension Passage (अपठित गद्यांश)	167

1 CHAPTER वर्ण विचार

भाषा – परस्पर विचार विनियम को भाषा कहते हैं ।

- भाषा संस्कृत के भाष् शब्द से बना है । भाष् का अर्थ है बोलना।
- भाषा की सार्थक इकाई वाक्य है । वाक्य से छोटी इकाई उपवाक्य, उपवाक्य से छोटी इकाई पदबंध, पदबंध से छोटी इकाई पद (शब्द), पद से छोटी इकाई अक्षर व अक्षर से छोटी इकाई ध्वनि या वर्ण है।
- जैसे – हम शब्द में दो अक्षर (हम) एवं चार वर्ण (ह अ म् अ) है ।

लिपि –किसी भाषा को लिखनें का ढंग लिपि कहलाता है। हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है । इसकी निम्न विषेशताएँ है ।

(i) यह बाएँ से दायें लिखी जाती है ।
(ii) प्रत्येक वर्ण का एक ही रूप होता है ।
(iii) उच्चारण के अनुरूप लिखी जाती है अर्थात् जैसे बोली जाती है, वैसी लिखी जाती है ।

व्याकरण – जिस शास्त्र में शब्दों के शुद्ध रूप एवं प्रयोग के नियमों का निरूपण होता है, उसे व्याकरण कहते है ।

वर्ण – हिंदी भाषा में वर्ण वह मूल ध्वनि है जिसका विभाजन नहीं हो सकता।
किसी भी भाषा की सबसे छोटी इकाई (ध्वनि) वर्ण कहलाती है।
जैसे :– क्, च्, ट् अ, इ, उ

वर्ण के भेद :– 2 प्रकार है।
(i) स्वर वर्ण (ii) व्यंजन वर्ण

स्वर वर्ण :– स्वतंत्र रूप से बोले जाने वाले वर्ण स्वर कहलाते है। हिन्दी वर्णमाला में कुल ग्यारह (11) स्वर ध्वनियाँ शामिल की गयी है ।
जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

स्वरो का वर्गीकरण :– मुख्यतः 5 आधार पर वर्गीकरण किया गया है।

1. मात्राकाल के आधार पर – 3 प्रकार है ।

(i) ह्रस्व स्वर – वे स्वर जिनके उच्चारण मे कम समय लगता है हस्व स्वर कहलाते है।
जैसे – अ, इ, उ, ऋ (कुल संख्या – 4)
नोट :– (इनको एकमात्रिक स्वर, मूल स्वर भी कहते है)

(ii) दीर्घ स्वर – वे स्वर जिनके उच्चारण मे मुल स्वर से अधिक समय/ दुगुना समय लगता है। वे दीर्घ स्वर कहलाते है। आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, (कुल संख्या –7)

(iii) प्लुत स्वर – जिनके उच्चारण में तीन मात्राओ का समय लगता है । स्वर के प्लुत रूप को दर्शाने के लिए उनके साथ 3 का चिह्न लगाया जाता है ।
जैसे – अ३, आ३, इ३, ई३, उ३, ऊ३, ए३, ऐ३, ओ३, औ३,

(2) उच्चारण के आधार पर :– (2 प्रकार है)

(i) अनुनासिक स्वर – स्वर का उच्चारण करने पर वायु मुख व नाक दोनो से बाहर निकलती है ।
नोट – अनुनासिक रूप को दर्शाने के लिए चन्द्रबिंदु का प्रयोग होता है ।
जैसे – अँ आँ इँ ईं उँ ऊँ एँ, ऐं ओं औं

(ii) अननुनासिक/निरनुनासिक स्वर – जब किसी स्वर का उच्चारण करनें पर श्वास वायु केवल मुख से ही बाहर निकलती है । वह अननुनासिक/ निरनुनासिक स्वर कहलाता है।
बिना चन्द्रबिन्दू के अपने मूल रूप में लिखे हुए स्वर अनुनासिक माने जाते है ।
जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ए, ऐ, ओ, औ,

(3) जिह्वा के आधार पर – (3 प्रकार है)

(i) अग्र स्वर :– उच्चारण करने पर जीभ के आगे वाले भाग मे सर्वाधिक कम्पन होना ।
जैसे – इ, ई, ए, ऐ

(ii) मध्य स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के मध्य भाग में कम्पन – अ

(iii) पश्च स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के पिछले भाग में अधिक कम्पन ।
जैसे – आ, उ, ऊ, ओ, औ , ऑ
पहचान :– निम्न सारणी के माध्यम से अग्र, पश्च, मध्यम भाग को जाने

अ – मध्य
इ ई ए ऐ – अग्र
आ उ ऊ ओ औ – पश्च

(4) होठों की गोलाई के आधार पर – 2 प्रकार है ।

(i) वृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल हो जाना।
जैसे :– उ, ऊ ओ, औ

(ii) अवृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल न होकर ऊपर–नीचे फैलना।
जैसे – अ, आ, इ, ई ए, ऐ

(5) मुखाकृति के आधार पर – 04 प्रकार है।

(i) संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का कम खुलना। जैसे – इ, ई, उ, ऊ

(ii) अर्द्ध संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का संवृत से थोडा ज्यादा खुलना – ए, ओ

(iii) विवृत – उच्चारण करने पर मुख का सबसे ज्यादा/पूरा खुलना। जैसे – आ

(iv) अर्द्धविवृत – उच्चारण करने पर मुँह का विवृत से थोडा कम खुलना।
जैसे – अ, ऐ, औ, ऑ

व्यंजन वर्ण

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते है।
हिन्दी वर्णमाला में कुल 35 मूल (33 + 2 उत्क्षिप्त) व्यंजन ध्वनियाँ होती है ।
जिनको तीन भागों में बाँटा गया है ।
(i) स्पर्श व्यंजन – (27) (मूल 25 + 2 उत्क्षिप्त)
(ii) अंतः स्थ व्यंजन – (04)
(iii) ऊष्म व्यंजन – (04)

(i) स्पर्श व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु हमारे मुख के किसी अंग को स्पर्श करते मुख से बाहर निकलती है वह स्पर्श व्यंजन कहलाते है ।
स्पर्श व्यंजन को 5 भागों में बाँटा गया है –
(अ) 'क' वर्ग – क् ख् ग् घ् ड्.
(ब) 'च' वर्ग – च् छ् ज् झ् ञ्
(स) 'ट' वर्ग – ट् ठ् ड् ढ् ण्
(द) 'त' वर्ग – त् थ् द् ध् न्
(य) 'प' वर्ग – प् फ् ब् भ् म्

(ii) अंतः स्थ व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर सर्वप्रथम हमारे मुख के अन्दर स्थित स्वर तंत्रियो में कम्पन होता है, व उसके बाद श्वास वायु मुख में बाहर निकलती है तो वह अन्तःस्थ व्यंजन कहलाती है ।
कुल अन्तः स्थ व्यंजन – 4 है ।
जैसे :– य् व् र् ल्

(iii) ऊष्म व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु मुख से बाहर निकलते समय हल्की गर्म हो जाती है, तो वह ऊष्म व्यंजन कहलाता है।
कुल ऊष्म व्यंजन – 4 है।
जैसे – श, स, ष, ह

संयुक्त व्यंजन – इसी श्रेणी मे 4 व्यंजन शामिल किये जाते है ।

क्ष – ष् + अ

त्र – त् + र + अ

ज्ञ – ज् + ञ्+ अ

श्र – श् + र् + अ

व्यंजनों का वर्गीकरण

व्यंजनों का वर्गीकरण – मुख्यतः 2 प्रकार का है ।
(1) उच्चारण स्थान के आधार पर
(2) प्रयत्न के आधार पर

(1) उच्चारण स्थान के आधार पर –

स्वर – युक्त व्यंजन व उनका वर्गीकरण–

(अ) उच्चारण स्थान के आधार पर –

उच्चारण स्थान	नाम ध्वनि	वर्ग	व्यंजन	स्वर
कंठ	कंठ्य	क वर्ग	क ख ग घ ङ ह	अ आ
तलु	तालव्य	च वर्ग	च छ ज झ ञ य श	इ ई
मूर्द्धा	मूर्द्धन्य	ट वर्ग	ट ठ ड ण ड़ ढ़ ष र	ऋ
दाँत	दन्त्य	त वर्ग	त थ द ध न ल स	
ओष्ठ	ओष्ठ्य	प वर्ग	प फ ब भ म	उ ऊ
कंठ व तालु	कंठ्य–तालव्य			ए ऐ
दाँत व ओष्ट	दन्तोष्ठ्य		व	
कंठ व ओष्ठ	कंठोष्ठ्य			ओ औ
नासिक्य			ड्., ञ् ण् न् म्	

2) प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण

मुख्यतः 3 भागों में बाँटा गया है –
(i) कंपन के आधार पर
(ii) श्वास वायु के आधार पर
(iii) उच्चारण के आधार पर

(i). कम्पन्न के आधार पर व्यंजन का वर्गीकरण

a) **अघोष :–** वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वरतंत्रियो में कम्पन्न नहीं होता है अघोष कहलाते है। इसमें वर्ग का पहला,दुसरा वर्ण तथा श, स, ष आते है।

b) **घोष/सघोष :–** वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वर तंत्रियों मे कम्पन्न होता है घोष/सघोष कहलाते है
इसमे वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा वर्ण तथा य. र, ल, व, ह और सभी स्वर आते है।

(ii). श्वास वायु के आधार पर व्यंजन का वर्गीकरण

a) अल्प प्राण :– ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय कम वायु बहार निकलती हो, अल्प प्राण कहलाते हैं।

b) महाप्राण :– ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय अधिक वायु की आवश्यकता होती है, महाप्राण कहलाता है।
इसमे दुसरा, चौथा वर्ण तथा श,स,ब,ह आते है।

(iii).उच्चारण के आधार पर –

इस आधार पर व्यंजन 8 प्रकार के होते है ।

a. स्पर्शी व्यंजन (16) क, ख, ग, घ, ट, ठ, ड, ढ, त, थ, द, ध, प, फ, ब, भ
b. स्पर्श संघर्शी व्यंजन (4) – च, छ, ज, झ
c. संघर्षी व्यंजन (4) – ष, श, स, ह
d. नासिक व्यंजन (5) – ङ, ञ, ण, न, म
e. उत्क्षिप्त व्यंजन (2) – ड, ढ
f. प्रकंपित व्यंजन (1) – र
g. पार्श्विक व्यंजन (1) – ल
h. संघर्षहीन व्यंजन (2) – य, व

परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य (''वर्ण विचार'' से संबंधित)

- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्राय दोनों स्वरों के मिलने से होती है।
- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है।

	समानाक्षर स्वर	**संधि स्वर**
(i)	आ – अ + अ	ए – अ + इ
(ii)	ई – इ + इ	ऐ – अ – ए
(iii)	ऊ – उ + उ	औ – अ + ओ

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्टाध्यायी रचना में मिलता है।
- हिन्दी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिन्दु) का प्रयोग किया जाता है, जिन्हे आगत/गृहीत व्यंजन कहा जाता है।
- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है।

क़ – क़रीब
ख़ – ख़ाना
ग़ – ग़म
ज़ – ज़रा
फ़ – फ़न, फ़ाइल (अंग्रेजी)

अंग्रेजी से गृहीत स्वर.
ऑ (é)
जैसे – कॉलेज, डॉक्टर

- हिन्दी भाषा में आगत व्यंजनो का आगमन अरबी/फारसी, अग्रेजी भाषा से हुआ है।
- हिन्दी भाषा में नुक्ता व्यंजन की शुरूआत का श्रेय हिन्दी विद्वान ''विप्रसाद सितारे हिंद'' को जाता है।
- काकल वर्ण के अन्तर्गत, (:) विसर्ग को शामिल किया जाता है।
- वर्त्स वर्णो में न, स, ल को शामिल किया जाता है।
- इसकी कुल संख्या चार होती है।
  (1) जिह्वा (2) अधरोष्ठ (नीचे का होंठ)
  (3) स्वर तंत्रियाँ (4) कोमल तालु
- तालु उच्चारण स्थान में आनें वाले वर्णो को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागो में विभाजित किया गया है।
- हिन्दी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अः (विसर्ग) को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है। क्योंकि इन वर्णों को न तो स्वरों में जोड़ा जाता है व न ही व्यंजनों में अतः अयोगवाही वर्ण कहलाते है।
- हल् चिह्न (्) व्यंजन के स्वर रहित होनें का परिचायक है । स्वर रहित व्यंजन के साथ हल् का चिह्न लगाया जाता है या फिर खड़ी पाई वाले व्यंजन चिह्नो की खड़ी पाई हटा दी जाती है। उसके अर्द्धरूप का प्रयोग किया जाता है।
  जैसे– विद्‌या, पाठ्‌य, अपराह्‌न, पट्‌टा आदि।

1. नांद या संवार वर्ण – सभी घोष वर्णों को ही कहा जाता है।
2. विवार या श्वास वर्ण – सभी अघोष वर्णों को ही कहा जाता है।
3. स्पृष्ठ वर्ण – सभी स्पर्श व्यंजन वर्णों को ही कहा जाता है।
4. ईशत्स्पृष्ट वर्ण – अन्तस्थ व्यंजन (य,र,ल,व) वर्णों को ही कहा जाता है।
5. ईशद्‌विवृत वर्ण – उष्म व्यंजन (ष, श, स, ह)
6. रक्त वर्ण –प्रत्येक वर्ग का पाँचवा वर्ण
7. सोष्म व्यंजन वर्ण – प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण

नोट – हिन्दी वर्णमाला में मूल रूप से 11 स्वर व 33 व्यंजन सहित कुल 44 वर्ण होते है।

हिन्दी वर्णमाला की वर्तमान में अपवादित स्थिति को सारणी के माध्यम से समझें।

स्वर	व्यंजन	कुल
स्वर 11	व्यंजन 33	44
–	ड़, ढ़ + (2) (उत्क्षिप्त व्यंजन)	46
–	अं, अः + (2) (अयोगवाह)	48
–	क्ष, त्र, ज्ञ, श्र + (4) संयुक्त व्यंजन	52
	क़ ख़ ग़ ज़ फ़ + 5 गृहीत व्यंजन	57

नोट – सर्वमान्य मत हिन्दी वर्णमाला में कुल 44 वर्ण होते हैं।

उत्क्षिप्त वर्ण

जिन ध्वनियों के उच्चारण में जिह्वा मूर्ध्दा को स्पर्श कर तुरन्त नीचे गिरती है, उन्हे उत्क्षिप्त वर्ण कहते हैं।

जैसे – ड. ढ.

नियम – 1. यदि शब्द की शुरूआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है ।

जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया, ढक्कन, डाली

नियम – 2. यदि शब्द के अन्तर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है।

जैसे – पण्डित, बुड्ढा, अड्डा, खण्ड, मण्डल आदि ।

- उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिन्दु आता है।
  जैसे – पढ.ाई, लड.ाई, सड़क, पकड़ना, ढूँढना आदि।

रकार/रेफ या र संबंधित नियम

नियम 1. – यदि र् के बाद व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखते हैं अर्थात् जिस व्यंजन वर्ण से पहले र् का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखा जाता है।

जैसे – कर्म, धर्म, वर्ण, दर्शक, स्वर्ग, अर्थात्, पुनर्जन्म, पुनर्निमाण, आशीर्वाद।

नियम 2. – यदि र् से पहले व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के मध्यय में लिखा जाता है।

जैसे – प्रकाश, प्रभात, प्रेम, क्रम, भ्रम, भ्रष्ट, भ्राता

2 CHAPTER संज्ञा

परिभाषा

- किसी प्राणी, स्थान, वस्तु तथा भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाती हैं।
- साधारण शब्दों में नाम को ही संज्ञा कहते है।
- जैसे – अजय ने जयपुर के हवामहल की सुंदरता देखी।
- अजय एक व्यक्ति है, जयपुर स्थान का नाम है, हवामहल वस्तु का नाम है। सुंदरता एक गुण का नाम है।

संज्ञा के भेद –

संज्ञा के मुख्यतः तीन भेद है –

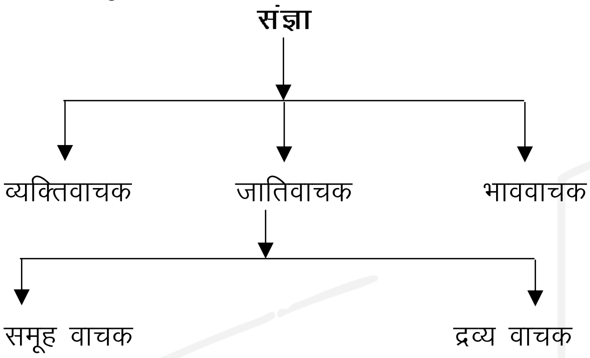

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द से एक ही व्यक्ति, वस्तु, स्थान के नाम का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

- व्यक्तिवाचक संज्ञा विशेष का बोध कराती है सामान्य का नही।
- व्यक्तिवाचक संज्ञा में व्यक्तियों, देशों, शहरों, नदियों, पर्वतों, त्योहारों, पुस्तकों, दिशाओ, समाचार–पत्रों, दिन, महीनों के नाम आते हैं।

2. जातिवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द से किसी जाति के संपूर्ण प्राणियों, वस्तुओं, स्थानों आदि का बोध होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। प्रायः जातिवाचक वस्तुओं, पशु–पक्षियों, फल–फूल, धातुओं, व्यवसाय संबंधी व्यक्तियों, नगर, शहर, गाँव, परिवार, भीड़ जैसे समूहवाची शब्दों के नाम आते हैं।

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा
प्रशान्त महासागर	महासागर
भारत, राजस्थान	देश, राज्य
रामचन्द्र शुक्ल, महावीर द्विवेदी	इतिहासकार, कवि
रामायण, ऋग्वेद	ग्रंथ, वेद
अजय की भैंस	भदावरी, मुर्रा
हनुमानगढ, नोहर	जिला, उपखण्ड
ग्राण्ड ट्रंक रोड़	रोड़, सड़क

3. भाववाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द में प्राणियों या वस्तुओं के गुण, धर्म, दशा, कार्य, मनोभाव, आदि का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

- प्रायः गुण–दोष, अवस्था, व्यापार, अमूर्त भाव तथा क्रिया भाववाचक संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं।
- भाववाचक संज्ञा की रचना मुख्यतः पाँच प्रकार के शब्दों से होती हैं।
  1. जातिवाचक संज्ञा से
  2. सर्वनाम से
  3. विशेषण से
  4. क्रिया से
  5. अव्यय से

जातिवाचक संज्ञा से बने भाववाचक संज्ञा शब्द

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
बच्चा	बचपन
शिशु	शैशव
ईश्वर	ऐश्वर्य
विद्वान	विद्वता
व्यक्ति	व्यक्तित्व
मित्र	मित्रता
बंधु	बंधुत्व
पशु	पशुता
बूढ़ा	बुढापा
पुरूष	पुरूषत्व
दानव	दानवता
इंसान	इंसानियत
सती	सतीत्व
लड़का	लड़कपन
आदमी	आदमियत
सज्जन	सज्जनता
गुरु	गौरव
चोर	चोरी
ठग	ठगी

विशेषण से बने भाववाचक संज्ञा शब्द

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
बहुत	बहुतायत
न्यून	न्यूनता
कठोर	कठोरता
वीर	वीरता
विधवा	वैधव्य
मूर्ख	मूर्खता
चालाक	चालाकी
निपुण	निपुणता

शिष्ट	शिष्टता
गर्म	गर्मी
ऊँचा	ऊँचाई
आलसी	आलस्य
नम्र	नम्रता
सहायक	सहायता
बुरा	बुराई
चतुर	चतुराई
मोटा	मोटापा
शूर	शौर्य / शूरत
स्वस्थ	स्वास्थ्य
सरल	सरलता
मीठा	मिठास
आवश्यक	आवश्यकता
निर्बल	निर्बलता
हरा	हरियाली
काला	कालापन / कालिमा
छोटा	छुटपन
दुष्ट	दुष्टता

क्रिया से बनें भाववाचक संज्ञा शब्द

क्रिया	**भाववाचक संज्ञा**
बिकना	बिक्री
गिरना	गिरावट
थकना	थकावट / थकान
हारना	हार
भूलना	भूल
पहचानना	पहचान
खेलना	खेल
सजाना	सजावट
लिखना	लिखावट
जमना	जमाव
पढ़ना	पढ़ाई
हंसना	हँसी
भूलना	भूल
उड़ना	ऊड़ान
सुनना	सुनवाई
कमाना	कमाई
गाना	गान
चमकना	चमक
उड़ना	उड़ान
पीना	पान

अव्यय से बनें भाववाचक संज्ञा शब्द

अव्यय	**भाववाचक संज्ञा**
उपर	उपरी
समीप	सामीप्य
दूर	दूरी
धिक्	धिक्कार
निकट	निकटता
शीघ्र	शीघ्रता
मना	मनाही

- 'अन' प्रत्यय से जुड़ें शब्द भाववचाक संज्ञा शब्द माने जाते हैं।
  जैसे – व्याकरण वि + आ + कृ + अन
  कारण कृ + अन
- कुछ विद्वानों ने संज्ञा के दो अन्य भेद भी स्वीकार किये हैं।

1. **समुदायवाचक संज्ञा** – ऐसे संज्ञा शब्द जो किसी समूह की स्थिति को बताते हैं। समुदाय वाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे – सभा, भीड़, ढेर, मण्डली, सेना, कक्षा, जुलूस, परिवार, गुच्छा, जत्था, दल आदि।

2. **द्रव्य वाचक संज्ञा** – किसी द्रव्य या पदार्थ का बोध कराने वाले शब्दों को द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।
   जैसे – दूध, घी, तेल, लोहा, सोना, पत्थर, ऑक्सीजन, पारा, चाँदी, पानी आदि।
   नोट – जातिवाचक संज्ञा का कोई शब्द यदि वाक्य प्रयोग में किसी व्यक्ति के नाम को प्रकट करने लगे तो वहाँ व्यक्तिवाचक संज्ञा मानी जाती है।
   आजाद – भारत की स्वतंत्रता में चन्द्रशेखर आजाद ने महत्त योगदान दिया था।
   सर दार – सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारत को जोड़नें की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
   गाँधी – गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को शुरू किया था।

- ओकारान्त बहुवचन में लिखा विशेषण शब्द विशेषण न मानकर जातिवाचक संज्ञा शब्द माना जाता है।
  जैसे –
  गरीब गरीबों
  बड़ा बड़ों
  अमीर अमीरों

3 CHAPTER सर्वनाम

परिभाषा – भाषा में सुंदरता, संक्षिप्तता, एवं पुनरुक्ति दोष से बचने के लिए संज्ञा के स्थान पर जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है, वह सर्वनाम कहलाता है।

- सर्वनाम शब्द सर्व + नाम के योग से बना है जिसका अर्थ है – सब का नाम।
- सभी संज्ञाओं के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम के प्रयोग से वाक्य में सहजता आ जाती है।
  जैसे – अमर आज विद्यालय नहीं आया क्योंकि वह अजमेर गया है।
- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम के भेद – सर्वनाम के कुल 06 भेद हैं

1. पुरुषवाचक
2. निश्चय वाचक
3. अनिश्चय वाचक
4. संबंध वाचक
5. प्रश्न वाचक
6. निजवाचक

1. पुरुषवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिसका प्रयोग वक्ता, श्रोता, अन्य तीसरा (कहनें वाला, सुनने वाला, अन्य) जिसके लिए कहा जाए, के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम को भी तीन भागों में बाँटा गया है

पुरुषवाचक सर्वनाम

↓ उत्तम पुरुष ↓ मध्यम पुरुष ↓ अन्य पुरुष

(i) उत्तम पुरुष – बोलने वाला / लिखने वाला
जैसे – मैं, हम, हम सब।

(ii) मध्यम पुरुष – श्रोता/सुनने वाला
जैसे – तू, तुम, आप, आप सब।

(iii) अन्य पुरुष – बोलने वाला व सुनने वाला जिस व्यक्ति या तीसरे के बारें में बात करें वह अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाता है।
जैसे – यह, वह, ये, वे, आप।

2. निश्चय वाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जो पास या दूर स्थित व्यक्ति या पदार्थ की ओर निश्चितता का बोध कराते हैं। वे निश्चय वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
पास की वस्तु के लिए – यह, ये।
दूर की वस्तु के लिए – वह, ये।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिससे किसी व्यक्ति या वस्तु के बारें में निश्चतता का बोध नहीं होता हैं। अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – कोई

- सजीवता के लिए – 'कोई' का प्रयोग
  उदाः रमन को कोई बुला रहा है।
- निर्जीवता के लिए – 'कुछ' का प्रयोग
  उदाः दूध मे कुछ गिरा है।

4. संबंधवाचक सर्वनाम – दो उपवाक्यों के बीच आकर संज्ञा या सर्वनाम का संबंध दूसरे उपवाक्य के साथ दर्शाने वाले सर्वनाम संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – जिसकी लाठी उसकी भैंस।
जो मेहनत करेगा वो सफल होगा।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम – जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता हैं वह प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाता है।
जैसे – वहाँ गलियारे से होकर कौन जा रहा था ?
कल तुम्हारे पास किसका पत्र आया था ?

6. निजवाचक सर्वनाम – ऐसे सर्वनाम शब्द जिसका प्रयोग स्वयं के लिए किया जाता है, निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – आप, स्वयं, खुद, अपना।
जैसे – मैं अपने आप चला जाऊँगा।

- सर्वनाम में आप शब्द का प्रयोग विभिन्न सर्वनामों में किया जाता है जिसका सही प्रयोग निम्न तरीकों से जाना जा सकता है।
  (i) अगर 'आप' शब्द का प्रयोग 'तुम' शब्द के रूप में किया जाता है तो – मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम होगा।
  (ii) 'आप' शब्द का प्रयोग स्वयं के अर्थ में होने पर – निजवाचक सर्वनाम होगा।
  (iii) आप शब्द का प्रयोग किसी अन्य व्यक्ति से परिचय करवाने के लिए प्रयुक्त हो तो वाक्य में अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम होगा।

4 CHAPTER वचन

वचन

- व्याकरण में वचन का अर्थ है – संख्या, जिससे किसी विकारी शब्द को संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।
- वचन मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं –
  (i) एकवचन
  (ii) बहुवचन

एकवचन

जिस शब्द में किसी व्यक्ति या वस्तु की संख्या एक होने का पता चले उसे एकवचन कहते हैं।

जैसे – लड़का खेल रहा है।
खलौना टूट गया है।
यह मेरी पुस्तक है।

इन वाक्यों में लड़का, खिलौना तथा पुस्तक शब्द एकवचन है।

नोट – कुछ ऐसे भी शब्द होते हैं, जो प्रायः किसी भी स्थिति में एकवचन ही रहते हैं।

जैसे – तेल, वर्षा, नल, जनता, आग, आकाश, सत्य, झूठ, मिठास, प्रेम, मोह, सोना, चाँदी, दूध, लोहा आदि हैं।

बहुवचन

जिस शब्द से किसी व्यक्ति या वस्तु को संख्या एक से अधिक होने पर का पता चले उसे बहुवचन कहते हैं।

जैसे – लड़कें खेल रहे हैं।
खिलौने टूट गए हैं।
ये पुस्तकें मेरी हैं।

इन वाक्यों में आए, लड़के, खिलौने, पुस्तकें शब्द बहुवचन हैं।

नोट – कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो किसी भी स्थिति में हमेशा बहुवचन ही रहते हैं।

जैसे – बाल, लोग, होश, हाल–चाल, आप, नियम, दाम, दर्शन, हस्ताक्षर आदि है।

एकवचन से बहुवचन बनाने के कुछ विशेष नियम

1. शब्दांत 'अ' को बदलकर 'ए' में बदलकर

पुस्तक	–	पुस्तकें
दीवार	–	दीवारें
दाल	–	दालें
सड़क	–	सड़कें
कलम	–	कलमें
राह	–	राहें

2. शब्दांत 'आ' के साथ 'एँ' जोड़कर

बाला	–	बालाएँ
कविता	–	कविताएँ
कथा	–	कथाएँ

3. 'ई' वाले शब्दों के अंत मे आए 'इयाँ' लगाकर

देवी	–	देवियाँ
नदी	–	नदियाँ
लड़की	–	लड़कियाँ
साड़ी	–	साड़ियाँ
स्त्री	–	स्त्रियाँ

4. शब्दांत 'आ' को 'ए' में बदलकर

कमरा	–	कमरे
बेटा	–	बेटे
लड़का	–	लड़के
बस्ता	–	बस्ते
रसगुल्ला	–	रसगुल्ले
पपीता	–	पपीते

5. स्त्रीलिंग शब्द के अंत में आए 'या' को 'याँ' में बदलकर

चिड़िया	–	चिड़ियाँ
डिबिया	–	डिबियाँ
गुड़िया	–	गुड़ियाँ

6. स्त्रीलिंग शब्द के अंत में आए 'उ' 'ऊ' के साथ 'एँ' लगाकर

वधू	–	वधुएँ
वस्तु	–	वस्तुएँ
बहू	–	बहूएँ

7. 'इ' 'ई' स्वरान्तवाले शब्दों के साथ 'यों' लगाकर तथा 'ई' को मात्रा को 'इ' में बदलकर

जाति	–	जातियों
रोटी	–	रोटियो
लाठी	–	लाठिया
नदी	–	नदियो
अधिकारी	–	अधिकारियों
गाड़ी	–	गाड़ियों

8. एकवचन शब्द के साथ जन, गण, वर्ग, वृंद, मण्डल, परिषद् आदि लगाकर

गुरू	–	गुरूजन
खेती	–	खेतिहर
युवा	–	युवावग
भक्त	–	भक्तजन
मंत्री	–	मंत्रिमण्डल, मंत्रीपरिषद्

27 CHAPTER

ARTICLE (लेख)

Article

Indefinite - A/An | **Definite – The**

Position of Article

1. Noun से पहले
   जैसे –
   He has an umbrella.
   Noun
2. Adjective से पहले
   जैसे –
   Monika has a long stick.
   Adjective
3. Adverb + Adjective + Noun से पहले
   जैसे – She is a very beautiful girl.
   Adv. Adj. N.
4. All/both + double + ….. + Noun के बीच में
   जैसे – All the girls.
   Double the amount.

A and An का प्रयोग

- A/An का प्रयोग अनिश्चित Singular Noun से पूर्व करते है ।
  Eg:- I have a car.
  This is an orange.
- यदि किसी शब्द के उच्चारण की प्रथम ध्वनि व्यंजन हो तो → A, एवं स्वर हो तो → An
  जैसे –
  An umbrella [word में प्रथम अक्षर Vowel होने पर भी ध्वनि स्वर की है ।]
  A union [word में प्रथम अक्षर Vowel होने पर भी ध्वनि व्यंजन की है ।]
  A one rupee note [vowel होने पर भी ध्वनि व्यंजन की है ।]
  An honest man [व्यंजन होने पर भी ध्वनि स्वर की है ।]
- Vowel से प्रारम्भ होने वाले वाक्यों में an लगता है।
  An inkpot
  An apple
- जब u अक्षर 'यू' ही पढा जाऐ तो a लगता है ।
  A European
  A useful
  A uniform
- जब o अक्षर को 'व' पढा जाये तो a लगता है ।
  A one eyed boy
  A one handed girl
- जब h अक्षर 'अ' पढा जाऐ तो an लगता है ।
  An hair
  An M.A.
  An L.L.B
- जब किसी verb को noun के रूप में प्रयोग करते हैं तो उससे पहले A या An लगता है ।
  Ex:- He goes for a walk.
  She goes for a swim.
- जब Exclamatory sentence what या How से प्रारम्भ हो तो Singular countable noun से पूर्व A का प्रयोग होता है ।
  Ex:- What a hot day.
  How find a day.
- Singular countable noun से पूर्व
  Eg:- I have a pen.
  Exclamatory वाक्यों में what/how के बाद
  Eg:- What a grand building.

- कुछ गिनती बताने वाले शब्द जैसे – hundred, thousand, million, dozen, couple से पहले 'a' लगता है ।

  Eg:- A dozen pencil were bought by her.
- Half से पूर्व 'a' का प्रयोग किया जाता है ।

  Eg:- $2\frac{1}{2}$ meter two and a half merter.
- कुछ विशेष Phrases में A/An का प्रयोग

  In a fix, in a hurry, in a nutshell, make a noise, make a foot, keep a secret, as a rule, at a stone's throw, a short while ago, at a loss, take a fancy to, take an interest in, take a liking, a pity, tell a lie.

Omission of A/An -

(a) Plural noun से पूर्व नहीं किया जाता है ।

Eg:- A boys have come. (×)

(b) Uncountable noun से पूर्व

'The' का प्रयोग :–

(1)

Name of rivers	The Ganga
News papers	The Amar Ujala
Unique things (अद्वितीय)	The Earth, The Moon
Historical building	The Taj Mahal
Superlative degree	The best
Holy books	The Ramayan
Post	The Secretory, The D.M.
Nationality	The Indian
Ordinal Numbers	The First, The Second
Musical Instrument	The Tabla, The Flute
Mountain	The Himalyas

(2) Cinema, Theatre, Circus, office, Picture, Station, bus stop से पूर्व The Article लग जाता है ।

Ex:- My friend go to the theatre today.

(3) जब Proper noun या common noun बनाया जाता है तो The Article लग जाता है ।

Ex:- Kalidas is the Shakespeare of India.

(4) The का use किसी देश के नाम से पूर्व नहीं होता है but यदि country के नाम के साथ Republic/Kingdom/States जुड़ें हो तो इससे पूर्व The Article लग जाता है ।

Ex: - He visited India and United states. (×)

He visited India and the United states. (✓)

(5) Sky, Moon, World, Sea, से पूर्व The Article लग जाता है ।

Ex:- The sky is dark and the moon is shining.

(6) जब Adjective का use noun की भाँति होता है तो उससे पूर्व The Article लग जाता है ।

Ex:- Rich should help poor. (×)

The Rich should the help poor. (✓)

(7) जब Comparative degree से पूर्व कोई selection कराना हो तो उसके पूर्व The Article लग जाता है ।

Ex:- He is stronger of the two. (×)

He is the stronger of the two. (✓)

(8) जब कोई वस्तु Understood होती है तो उससे पूर्व 'The' का प्रयोग होता है ।

E.g:- Kindly return the book. (That I gave you)

Can you turn off the lights ? (The light in the room)

(9) Ordinal से पूर्व 'The' का प्रयोग किया जाता है। (First, second, third, …)

E.g:- The second chapter of this book is very difficult.

(10) Adjective 'same' एवं 'whole' के पहले और 'all' एवं 'both' के बाद article 'The' का प्रयोग होता है।

Eg:- He is the same boy that met me in the market.

The whole period was wasted.

Omission of 'The'

(1) Name of games, Name of Subjects से पूर्व the article नहीं लगाते हैं।

Ex:- I play the cricket. (×)

I play cricket. (✓)

(2) Proper noun से पूर्व The article नहीं लगाते हैं।

Ex:- Shakespeare was the greatest dramatist. (✓)

(3) Before Material Noun

Ex:- Gold is the most Precious metal. (✓)

The Tea grows in India. (×)

Tea grows in India. (✓)

Particular sens e में

Ex:- The tea of Assam is very famous. (✓)

Ex:- Water of the ganga is sacred. (×)

The Water of the Ganga is sacred. (✓)

(4) Before Abstract noun (भाववाचक संज्ञा)

Ex: - The virtue is its own reward. (×)

Virtue is its own reward. (✓)

Ex: - The love is a natural feeling. (×)

Love is a natural feeling. (✓)

Exception

Particular sense में

Ex:- Honesty of Ram cannot be doubted. (×)

Ex:- The honesty of Ram cannot be doubted. (✓)

He speaks the truth. (✓)

(5) Before languages :-

Ex:- The english is spoken all over the world. (×)

English is spoken all over the world. (✓)

Particular sense में

Ex:- He knows the Sanskrit language.

(6) School, college, home, church, temple, sea, burnt, bed, table, hospital, market, prison, court के पहले The article नहीं लगाते हैं।

Ex:- I go to the bed early. (×)

Ex:- I go to bed early. (✓)

(7) Name of disease के पहले The article नहीं लगाते हैं।

Ex:- He died of the cholera. (×)

Ex:- He died of cholera. (✓)

Note: - But the rickets, the plague, the flu, the mumps, the measles are correct.

(8) Regular meals के पहले The article नहीं लगाते हैं।

Ex:- I take the breakfast. (×)

Ex:- I take breakfast. (✓)

Particular sense में

Ex:- The lunch that was served to the guests was delicious. (✓)

(9) Parts of body, mode of travel के पहले The article नहीं लगाते हैं।

Ex:- The liver is the largest organ of human body. (✗)

Ex:- Liver is the largest organ of human body. (✓)

Ex:- He will go there by the bus. (✗)

Ex:- He will go there by bus. (✓)

(10) The name of relations के पहले The article नहीं लगाते है ।

Uncle/mother, father

Ex:- Father will go to Delhi tomorrow.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

28 CHAPTER Verb (क्रिया)

- Verb वह शब्द है, जिससे किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है ।

Types of Verb

1. Transitive verb (सकर्मक क्रिया)
2. Intransitive verb (अकर्मक क्रिया)

1. Transitive Verb - वह verb है, जो object के संदर्भ में अपना अर्थ प्रकट करती है ।

Eg.:- I opened the gate.
The man killed a snake.
Aditi made a doll.

2. Intransitive verb - वह verb है, जो अपना अर्थ प्रकट करने के लिए object का सहारा नहीं लेती है ।

Eg.:- The man died(v).
The girl smiled (v).
The sun shines (v).

Some Important facts of verb

1. कुछ ऐसे Transitive Verb है जो कभी-कभी Intransitive verb की तरह प्रयुक्त होते है ।

Transitive	**Intransitive**
She eats bread.	We eat to live.
The boy broke the glass.	The glass broke.
He opened the door.	The door soon opened.

2. जब कोई Intransitive verb, preposition के साथ जुड़ती है तो वह Transitive बन जाती है ।

Eg.:- He laughed at me.
We take about the affair.
I carried out his orders.

- Verb को पुनः उपयोग के आधार पर दो भागों में बाँटा जा सकता है –

Verb
- Main verb
- Auxiliary verb (Helping Verb)
  - Primary Auxiliary Verb
  - Modal Auxiliary Verb
  - Marginal Auxiliary Verb

ToppersNotes
Unleash the topper in you

1. Main Verb: - वह verb होती है, जो sentence में Main Verb के रूप में प्रयुक्त होती है । ये verb V_1, V_2, V_3, V_4, V_5 के रूप में प्रयुक्त होती है ।

Eg.:- I write a letter. [Write - V_1]
He wrote a letter. [Wrote – V_2]
He has written a letter. [Written – V_3]
He is writing a letter. [Writing – V_4 (V_1+ing)]
He writes a letter. [Writes – V_5 (V_1 + s/es)]

Present (1st Form)	अर्थ	Past (2nd Form)	P. Participle (3rd Form)	- ing Form	s/es Form
Arise	उठना	arose	arisen	arising	arises
Awake	जागना	awoke	awaken	awaking	awakes
Be	होना	was, were	been	being	is/was
Bear	जन्म देना	bore	born	bearing	bears
Bear	सहन करना	bore	borne	bearing	bears
Become	बनना	became	become	becoming	becomes
Begin	आरंभ करना	began	begun	beginning	begins
Bite	दाँत से काटना	bit	bitten	biting	bites

Blow	हवा का चलना	blew	blown	blowing	blows
Bind	बाँधना	bound	bound	binding	binds
Bid	आज्ञा देना	bade	bidden	bidding	bids
Bid	बोली लगाना	bid	bid	bidding	bids
Break	तोडना	broke	broken	breaking	breaks
Choose	चुनना	chose	chosen	choosing	chooses
Cling	चिपटना	clung	clung	clinging	clings
Come	आना	came	come	coming	comes
Dig	खोदना	dug	dug	digging	digs
Do	करना	did	done	doing	does
Draw	खींचना	drew	drawn	drawing	draws
Drink	पीना	drank	drunk	drinking	drinks
Drive	चलाना	drove	driven	driving	drives
Eat	खाना	ate	eaten	eating	eats
Fall	गिरना	fell	fallen	falling	falls
Find	पाना	found	found	finding	finds
Fly	उडना, उडाना	flew	flown	flying	flies
Forbid	मना करना	forbade	forbidden	forbidding	forbids
Forget	भूल जाना	forgot	forgotten	forgetting	forgets
Freeze	जमाना/जमना	froze	frozen	freezing	freezes
Get	पाना	got	got	getting	gets
Give	देना	gave	given	giving	gives
Grind	पीसना	ground	ground	grinding	grinds
Grow	बढ़ना, उगना	grew	grown	growing	grows
Hang	लटकाना	hung	hung	hanging	hangs
Hide	छिपाना/छिपना	hid	hidden	hiding	hides
Hold	थामना	held	held	holding	holds
Know	जानना	knew	known	knowing	knows
Lie	लेटना	lay	lain	lying	lies
Ride	सवारी करना	rode	ridden	riding	rides
Ring	बजना/बजाना	rang	rung	ringing	rings
Rise	उठना/उगना	rose	risen	rising	rises
See	देखना	saw	seen	seeing	sees
Shake	हिलाना	shook	shaken	shaking	shakes
Shine	चमकना	shone	shone	shining	shines
Shoot	फोटो निकालना/गोली मारना	shot	shot	shooting	shoots
Shrink	सिकुडना	shrank	shrunk	shrinking	shrinks
Sing	गाना	sang	sung	singing	sings
Sink	डूबना	sank	sunk	sinking	sinks
Sit	बैठना	sat	sat	sitting	sits
Slay	वध करना	slew	slain	slaying	slays
Speak	बोलना	spoke	spoken	speaking	speaks

Spit	थूकना	spat	spat	spitting	spits
Stand	खड़ा होना	stood	stood	standing	stands
Steal	चुराना	stole	stolen	stealing	steals
Stick	चिपकना	stuck	stuck	sticking	sticks
Strike	चोट मारना/हड़ताल करना	struck	struck	striking	strikes
Swear	शपथ लेना	swore	sworn	swearing	swears
Swim	तैरना	swam	swum	swimming	swims
Swing	झूलना	swung	swung	swinging	swings
Take	लेना	took	taken	taking	takes
Tear	फाड़ना	tore	torn	tearing	tears
Wear	पहनना	wore	worn	wearing	wears
Weave	बुनना	wove	woven	weaving	weaves
Win	जीतना	won	won	winning	wins
Wind	चाबी लगाना	wound	wound	winding	winds
Write	लिखना	wrote	written	writing	writes
Wring	निचोड़ना	wrung	wrung	wringing	wrings

नीचे दी गयी Verbs की तीनों Froms समान होती है।

Present (1st Form)	अर्थ	Past (2nd Form)	Past Participle (3rd Form)
Bid	बोली लगाना	bid	bid
Bet	शर्त लगाना	bet	bet
Burst	फटना	burst	burst
Cast	फेंकना/डालना	cast	cast
Cost	मूल्य लगाना	cost	cost
Cut	काटना	cut	cut
Hurt	पीडा पहुँचाना	hurt	hurt
Let	करने देना	let	let
Put	रखना	put	put
Read	पढ़ना	read	read
Set	अस्त होना	set	set
Shed	बहाना/त्याग देना	shed	shed
Shut	बंद करना	shut	shut
Spread	फैलाना	spread	spread
Thrust	ठूँसना/थोपना	thrust	thrust
Quit	छोड़ना	quit	quit

CONFUSING PAIR OF VERBS

1.	Bear	bore	born	→	पैदा करना
	Bear	bore	borne	→	बर्दाश्त करना
2.	Fall	fell	fallen	→	गिरना
	Fell	felled	felled	→	गिराना
3.	Find	found	found	→	पाना

	Found	founded	founded	→	स्थापित करना
4.	Grind	ground	ground	→	पीसना
	Ground	grounded	grounded	→	जमीन पर लाना/ उडान भरने पर पाबंदी लगाया
5.	Hang	hanged	hanged	→	फांसी पर चढाना
	Hang	hung	hung	→	टांगना, लटकाना
6.	Lie	lied	lied	→	झूठ बोलना
	Lie	lay	lain	→	लेटना
	Lay	laid	laid	→	क्षैतिज (Horizontally) रखना न्यौछावर करना Hens lay eggs- अंडे देना
7.	Rend	rent	rent	→	चीरना/फाडना
	Rent	rented	rented	→	किराये पर देना
8.	Rise	rose	risen	→	उगना, बढना, उठना, तरक्की करना
	Raise	raised	raised	→	उठाना (मुद्दा, प्रश्न इत्यादि)
	Raze	razed	razed	→	ध्वस्त करना
9.	See	saw	seen	→	देखना
	Saw	sawed	sawed/sawn	→	आरी से चीरना/काटना
10.	Wind	wound	wound	→	मोडना/ लपेटना/ चाबी लगाना
	Wound	wounded	wounded	→	घायल करना
11.	Fly	flew	flown	→	उड़ना
	Flow	flowed	flowed	→	बहना

2. Auxiliary Verb - वह verbs होती है, जो अन्य verb के साथ प्रयुक्त होकर Sentence को Interrogative तथा negative बनाती है तथा tense को बताने के साथ-साथ possibility तथा willingness को express करती है।

(1) Primary Auxiliary Verbs - Be, Do, Have.

(2) Modal Auxiliary Verbs - Can, Could, may, might, shall, should, will, would, must, ought to.

(3) Marginal Auxiliary Verbs - Used to, Need, Dare.

Some Rules for Auxiliary Verbs -

1. Modal Auxiliary Verb का प्रयोग Main Verb के रूप में नहीं होता है।

   Eg.:- You <u>can</u> (H.V.) help me.
   It <u>may</u> (H.V.) rain today.

2. Be Verb का प्रयोग continuous tense में V_4 के पहले होता है।

   Eg.:- He is taking coffee.
   I was playing cricket.

3. Do/ does/ did का प्रयोग simple present and simple past tense में negative sentence बनाने में होता है।

   Eg.:- He does not want to tell a lie.

4. Do का प्रयोग Imperative sentence को Negative/ Emphatic बनाने के लिए किया जाता है।

   Eg.:- Don't go there.
   Do sing it again.

5. Is/ am/ are/ was/ were/ have/ has, had etc. के बाद infinitive का प्रयोग किया जाता है।

   Eg.:- I am to see her tomorrow.
   I have to move the furniture myself.

6. Have + infinitive – Forced action के sense में–

   Eg.:- I have to work hard.
   She had to leave her job.

Use of Modal Auxiliary Verb

1. **Can** का प्रयोग
   (i) Power, ability, capacity आदि के भाव में–
   Eg.:- I can swim across the river.
   You can speak English.
   (ii) Permission के भाव में –
   Eg.:- You can go now.
   Can I see your diary?
   (iii) Theoretical possibility (सैद्धांतिक संभावना) को व्यक्त करने में –
   Eg.:- Everyone can make a mistake.
   Electricity can be dangerous.
   (iv) Friendly request करने वाले प्रश्नात्मक वाक्यों में –
   Eg.:- Can I take your scooter?
2. **Could** का प्रयोग
   (i) Past ability/ power/ capacity को व्यक्त करने में –
   Eg.:- He could pass the board examination last year/in 2020.
   When I was young, I could outrun him.
   (ii) Polite request/ permission के भाव में–
   Eg.:- Could I smoke here?
   Could I borrow your notebook for two days?
   (iii) Remote possibility व्यक्त करने के लिए–
   Eg.:- There could be a bomb under your seat.
3. **May** का प्रयोग
   (i) संभावना/ अनिश्चितता के भाव को व्यक्त करने में –
   Eg.:- It may rain tonight.
   She may come late today.
   (ii) अनुमति देने/ लेने के भाव में – (Formal Permission)
   Eg.:- **Q.** May I use your mobile?
   Ans. Yes, you may.
   You may go now.
   (iii) Wish/ pray/ bless/ curse को express optative sentence करने में –
   Eg.:- May you live long !
   May you succeed in life!
   (iv) Principal clause, Present Tense में हो तथा subordinate clause that/ so that/ in order that ls प्रारंभ हो तो may (Purpose के संदर्भ में) का प्रयोग –
   Eg.:- We eat so that we may live.
   I work hard so that/in order that I may succeed
4. **Might** का प्रयोग
   (i) Less possibility के भाव को व्यक्त करने में–
   Eg.:- It might rain today. (न के बराबर संभावना)
   She might come late.
   (ii) Polite request/permission के भाव में–
   Eg.:- Might I ask a question?
   You might make a little noise.
   (iii) Suppositional sentence- I wish, we wish, he wishes, she wishes, as though, if only, suppose आदि के भाव व्यक्त करने वाले वाक्यों में–
   Eg.:- If you worked hard, you might succeed.
   I wish he might have seen 'Mother India'.
5. **Shall** का प्रयोग
   (i) I/we के साथ future की किसी घटना को व्यक्त करने में–
   Eg.:- I shall go to Delhi tomorrow.
   We shell go there tonight.
   (ii) Suggestion को express करने वाले interrogative वाक्यों में–
   Eg.:- Shall I open the gate?
   Shall we talk to the headman?
   (iii) Orders, Instructions तथा Speculations (अनुमानों) को express करने वाले – Interrogative Sentence में–
   Eg.:- What shall I do for your children, Sir?
   What shall I do in a month?

ToppersNotes
Unleash the topper in you